

SUBJECT: HINDI
GRADE: 6

CHAPTER	9
TOPIC/CONCEPT	टिकट अलबम

EXPLANATION CONTENT

पाठ का सार

इस कहानी में दो स्कूली बच्चे हैं। एक का नाम है नागराजन और दूसरे का राजप्पा और कुछ उनके अन्य मित्र हैं। यह कहानी एक अलबम को लेकर प्रारंभ होती है और खत्म भी उसी अलबम को लेकर होती है। नागराजन को उसके मामा जी ने सिंगापुर से एक अलबम भिजवाया था। वह उस अलबम को लड़कों को दिखाया करता था। सभी लड़के नागराजन को घेरकर अलबम देखा करते थे। लड़कियाँ भी उस अलबम को देखने के लिए उत्सुक रहती थीं। राजप्पा की अलबम जो कि काफी मशहूर थी लेकिन अब उसकी अलबम को कोई पूछने वाला न था। उसने बड़े

परिश्रमपूर्वक टिकट जमा किए थे। स्कूल में उसका अलबम सबसे बड़ा था। लेकिन अब उसके अलबम को कोई पूछता न था। राजप्पा मन ही मन कुढ़ता रहता। उसे अपने अलबम से चिढ़ होने लगी और अपनी अलबम कूड़ा लगने लगी। एक दिन वह नागराजन के घर जा पहुँचा और उसके कमरे में बैठ गया। तभी नागराजन की बहन कमाक्षी आई और वह भी अलबम की तारीफ़ करने लगी। राजप्पा और ज़्यादा चिढ़ गया। राजप्पा ने नागराजन की अलबम दराज़ से ढूँढ निकाली और शर्ट में छिपा कर घर की ओर भागा। घर आकर उसने अलबम छिपा दिया। रात को अप्पू राजप्पा के घर आया और नागराजन के अलबम के खोने की बात बताई। लेकिन राजप्पा चुप रहा और अप्पू को किसी तरह टाला। लेकिन अप्पू दुबारा से सुबह आया और पूछा कि क्या वह नागराजन के घर गया था? उसके पापा डी.एस.पी. के दफ़्तर में काम करते हैं शायद वह पुलिस को ख़बर कर दें। अब राजप्पा को पुलिस का डर सताने लगा। राजप्पा के घर के दरवाज़े की साँकल खटकी तो उसे पुलिस आने

का भय सताने लगा और राजप्पा अलबम को लेकर पिछवाड़े की ओर भागा। बाथरूम में घुस कर दरवाज़ा बंद कर लिया। वहाँ अँगीठी में पानी गर्म हो रहा था। राजप्पा ने अलबम को अँगीठी में डाल दिया और राजप्पा की आँखों में आँसू आ गए। माँ के आवाज़ देने पर वह गीला तौलिया लपेटकर बाहर आया। जब वह कपड़े बदलकर ऊपर गया तो कुर्सी पर रोनी सूरत बनाकर नागराजन बैठा था और उसने अपनी अलबम के बारे में बताया।

राजप्पा ने उसे दिलासा देते हुए अपनी अलबम ले जाने की ज़िद्द की। नागराजन अलबम लेकर नीचे उतर गया। तभी राजप्पा ने आवाज़ लगाई कि वह अलबम रात को जी भर के देखकर सुबह दे देगा। नागराजन ने अलबम राजप्पा को दे दी और राजप्पा अलबम को छाती से लगाकर फूट-फूटकर रोने लगा।